भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1426
02 अगस्त, 2024 को उत्तर के लिए

प्रति टन स्टील के लिए सेल की जनशक्ति लागत

1426. श्री ए.डी. सिंह:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या प्रति टन इस्पात के लिए भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) की जनशक्ति लागत निजी क्षेत्र की तुलना में बहुत अधिक है;

(ख) यदि हां, तो देश में सेल और निजी क्षेत्र की जनशक्ति लागत की तुलना का ब्यौरा क्या है; और

(ग) सेल में जनशक्ति लागत को कम करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं और इस प्रक्रिया को पूरा करने की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री एच.डी. कुमारास्वामी)**

(क) से (ग): इस्पात संयंत्र के प्रति टन इस्पात के संदर्भ में जनशक्ति लागत उपलब्ध प्रौद्योगिकी, उत्पादन का पैमाना, तैयार उत्पाद प्रोफाइल, कच्चे माल की गुणवत्ता और लागत, आउटसोर्सिंग का स्तर आदि जैसे विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, सेल में जनशक्ति लागत, बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन का 6372 रुपए प्रति टन थी। देश में निजी इस्पात क्षेत्रों से संबंधित समान जानकारी सेल या मंत्रालय के पास उपलब्ध नहीं है।

जनशक्ति लागत में कमी एक सतत रूप से चलने वाली प्रक्रिया है और सेल भी जनशक्ति लागत को कम करने के लिए लगातार विभिन्न पहल कर रहा है। कुछ प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

- नई इकाइयों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का अनुकूलन।
- मौजूदा पुरानी इकाइयों का उन्नयन और संवर्धन ।
- उत्पादन स्तर को बढ़ाना ।
- ओटोमेशन स्तर को बढ़ाने के लिए उद्योग 4.0 परियोजनाओं की अवधारणा और कार्यान्वयन ।
- जनशक्ति का युक्तिकरण ।
- मानव संसाधन हस्तक्षेप के माध्यम से कर्मचारी और हितधारकों के बीच सहभागिता बढ़ाना।

******